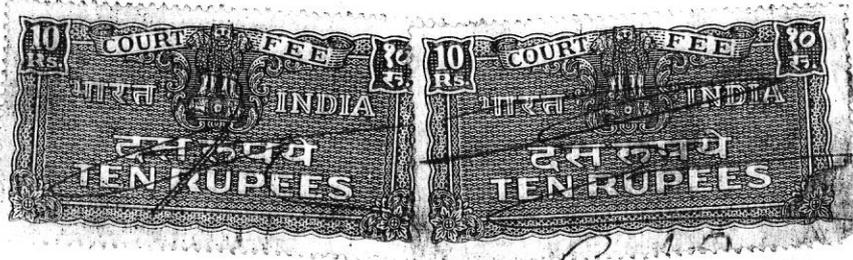


224

गवाल्लिपर कैम्प-  
श्रीमान राजस्व मण्डल, रीवा (म०प्र०)



देवदत्त द्विवेदी तनय श्री रामसजीवन द्विवेदी ग्राम खैरी तहसील हुजूर जिला रीवा (म०प्र०)

आवेदक

बनाम

1. श्रीमती इन्द्रकली पत्नी स्व० जनार्दन प्रसाद, 2. सुरेश कुमार 3. देवेन्द्र कुमार, 4. श्रीदेन्द्र कुमार  
तीनों के पिता स्व० जनार्दन प्रसाद 5. शेषमणि प्रसाद द्विवेदी 6. रामनरेश द्विवेदी, 7. रमेश कुमार  
द्विवेदी, 8. नरेन्द्र प्रसाद द्विवेदी, पिसरान स्व० चन्द्रभान प्रसाद द्विवेदी, सभी निवासी ग्राम पडरा  
तार० हुजूर जिला रीवा (म०प्र०)

अनावेदकगण

निगरानी विरुद्ध ओदश न्यायालय श्रीमान् जयरा  
कलेक्टर महोदय जिला रीवा (म०प्र०)

शकत् प्रकरण क्र० 234/ अ. छ. निगरानी/  
2011-12 आदेश दिनांक 14.08.2012 अर्थात् धारा  
50 म०प्र० भू० राजस्व संहिता 2012 ईसवी

श्रीमान् जयरा  
की अर्थात् क्र० 205-2/2011  
अर्थात् क्र० 234/ अ. छ. निगरानी/  
2011-12  
D.A.

मान्यवर,

निगरानी के आधार निम्न है।

1. यह कि अधीनस्थ न्यायालय का आदेश विधि एवं प्रक्रिया के विरुद्ध है।
2. यह कि अधीनस्थ न्यायालय में जो नामांतरण के आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया उन  
चिदादित भूमियों के संबंध में अपील माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में तबित है  
जिसकी जानकारी अनावेदकगणों को अच्छी तरह से है फिर भी कानून कायदे को बलाघे  
ताक रखकर नामांतरण के आवेदन पत्र तहसील न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जिसपर  
जवाब के लिये 16.03.2011 को आदेश पत्रिका में जवाब का अवसर समाप्त किया जाएगा  
ऐसा आदेश जब किया गया तो उसके विरुद्ध निगरानी की गयी। वह भी अपर जिलाध्यक्ष

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

मामला क्र०-R.2876-II/12

जिला-रीवा

देवदत्त द्विवेदी/इन्द्रकली वगैरः

(1)	(2)	(3)
22.08.17	<p>1. प्रकरण प्रस्तुत।</p> <p>2. आवेदक के वारिसान तथा उनके अधिवक्ता की पुकार करायी गयी किन्तु सूचना उपरांत लगाता कई पेशियों से उपस्थित नहीं है।</p> <p>3. चूकि आवेदक तथा अभिभाषक सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है। अतः संहिता की धारा-35(2) के तहत प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।</p> <p>4. आदेश की प्रति के साथ अधीनस्थ न्यायालय का रिकार्ड वापस किया जाये, तत्पश्चात प्रकरण पंजी से समाप्त होकर दा.द. हो।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	